लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 13 June 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

शोध के लिए हार्वर्ड से लविवि आएगा शोधार्थी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी लोकप्रियता, इस बार दाखिले के लिए रिकॉर्ड 12 सौ से ज्यादा विदेशी छात्रों ने किया आवेदन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। हार्वर्ड विश्वविद्यालय शोध और शिक्षण के मामले में दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में गिना जाता है। दुनिया के कोने-कोने से विद्यार्थी इस विवि में पढ़ाई और शोध के लिए पहुंचते हैं। इसी विश्वविद्यालय से अब शोध के लिए शोधार्थी लखनऊ विवि आ रहा है।

हार्वर्ड विवि में रिसर्च असिस्टेंट पद पर तैनात शोधार्थी ने नदवा पर शोध करने के लिए लखनऊ विवि को प्रस्ताव भेजा है। यह लविवि के लिए गौरव की बात है।

नैक में ए प्लस-प्लस ग्रेड हासिल करने के बाद देश के साथ ही विदेश में भी लविवि का रुतबा बढ़ गया है। इसका नतीजा यह है कि यहां विदेशी विद्यार्थी इंडियन काउंसिल ऑफ कल्चरल रिलेशन (आईसीसीआर) के साथ ही अन्य फेलोशिप तथा स्ववित्तपोषित प्रणाली के तहत दाखिले के लिए आ रहे हैं। बीते साल लविवि में करीब आठ सौ आवेदन विदेशी विद्यार्थियों ने दाखिले के लिए किए थे।

इस साल यह संख्या पहली बार एक हजार के पार पहुंचकर 1200 तक पहुंच गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस बार जापान, म्यांमार, रूस और फिलीपींस जैसे देशों के विद्यार्थी अध्ययन के लिए आ रहे हैं। आवेदन के बाद आईसीसीआर इन पर मुहर लगाएगा।

आईसीसीआर की स्कॉलरशिप के तहत हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के रिसर्च असिस्टेंट ने नदवा पर शोध के लिए भेजा प्रस्ताव

इन्हीं आवेदनों में से हॉवर्ड विवि के रिसर्च असिस्टेंट जॉन एस नोवाक ने नदवा पर शोध के लिए प्रस्ताव भेजा है।

जॉन एस नोवाक छह महीने की अवधि के लिए अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन स्टडी की फेलोशिप पर यह शोध करेंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय के आईसीसीआर के सलाहकार प्रो. आरपी सिंह के पास उन्होंने आवेदन भेजा है।

हिंदी, उर्दू और मैनेजमेंट की मांग ज्यादा

लविवि के पास बीते साल करीब 60 देशों के विद्यार्थियों ने दाखिले के लिए आवेदन किए थे। ये दाखिले सुपरन्यूमेरिक सीट पर होते हैं। मतलब कि लविवि में निर्धारित सीट पर इन विद्यार्थियों का दाखिला नहीं गिना जाता है। अभी तक ज्यादातर आवेदन एशियाई और अफ्रीकी देशों से आते हैं। इन विद्यार्थियों की मांग हिंदी के साथ ही उर्दू, अंग्रेजी, मैनेजमेंट तथा फॉर्मा जैसे विषय होते हैं। विवि को इन विद्यार्थियों से फीस के रूप में हर साल एक करोड़ रुपये से ज्यादा की आय भी होती है। दूसरी ओर विभिन्न रैंकिंग में भी विदेशी विद्यार्थियों की संख्या ज्यादा होने से अच्छे नंबर मिलते हैं।

> यह हमारे लिए उपलब्धि नैक में सर्वोच्च ग्रेड हासिल करने के साथ ही लविवि देश भर में एनईपी लागू करने वाला पहला विवि है। निश्चित ही हमें इसका फायदा मिलता है। विदेशी विद्यार्थियों की बढ़ती हुई आवेदन संख्या हमारे लिए उपलब्धि है।
> - डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता लविवि

कैंपस प्लेसमेंट में 48 मेधावियों का चयन

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लविवि के अभियांत्रिकी संकाय की प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 48 छात्र-छात्राओं का हुआ है। ये सभी विद्यार्थी इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी धूत ट्रांसमिशन प्राइवेट लिमिटेड में सेवा देंगे।

प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों में सौम्या, ऋतिक अग्रवाल, कोमल, संदीप कुमार, अनिकेत सोनकर, गरिमा सिंह, अभिजीत त्रिपाठी, निशा यादव, राज जायसवाल, प्रत्यक्षा बाजपेयी, वैभव प्रताप सिंह, स्नेहलता यादव, सोनाली शर्मा, शुभम कुमार पांडेय, हर्षवर्धन त्रिपाठी, शंकर कुमार, शुभम चौरसिया, आशुतोष कुमार सिंह, अवंतिका पटेल, सुधांशु यादव, अभिषेक, नेहा राव, अभिषेक शर्मा, शिवम कुमार, अभिषेक स्वरूप गुप्ता, जेबा सुल्ताना, रितेश चौहान, शशि तिवारी, अखिलेश मौर्या, राम जी, नैतिक मिश्रा, अंतिमा, अमृतांशु, मनीष कुमार, पुष्पेंद्र कुमार, अभिषेक कुमार पांडेय, आदर्श कुमार, अभिषेक चौरसिया, केशव द्विवेदी, विनीता राव, निधि सिंह, चंदन त्रिपाठी, हर्षित कुमार पांडेय, मुकेश चौरसिया, प्रेम लता धनगर, सत्यम शर्मा और नितिन वर्मा, आकाश सिंह शामिल हैं। इन्हें 2.5 लाख रुपये का सालाना पैकेज मिला है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

कागज का उपयोग 75 फीसदी तक घटाएगा लविवि

लखनऊ। लविवि ने अगले तीन से सात साल में कागजी काम को 75 फीसदी तक कम करने का लक्ष्य बनाया है। विवि ने इसे अपने विजन प्लान में इसे शामिल किया है। इसके साथ ही अल्प अवधि के सुधारों में एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) प्रणाली को शामिल करके छात्रों को प्रवेश से निकास तक सुगम और कुशल अनुभव देने की बात कही गई है। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार विकेंद्रित किए जाएंगे, जिससे विभागों को अपने स्तर पर निर्णय लेने की सुविधा मिलेगी। विवि की स्टूडेंट इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट का ऑटोमेशन करने, ऑनलाइन शिक्षा के लिए मौजूदा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस), स्लेट को अपग्रेड करने और पुस्तकालय सेवाओं को ऑटोमेट करने और डिजिटाइज करने की योजना है। इसके साथ ही प्रशासनिक और वित्तीय कार्यालयों को ऑटोमेट किया जाएगा। पुरातन छात्र नेटवर्क से संसाधन उत्पन्न करने के लिए हर वर्ष 25 नए पुरातन छात्रों से संपर्क स्थापित करने की योजना तैयार की गई है। इसके साथ ही अन्य सुधारों को अगले दस साल के दौरान चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

लेक्चर सीरीज में हुआ नौवां व्याख्यान

लखनऊ। लविवि के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की ओर से सोमवार को एमिनेंट लेक्चर सीरीज में नौवां व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें आईआईटी बीएचयू के प्रो. ब्रह्मेश्वर मिश्रा ने विद्यार्थियों को-बायोवैलीबिलिटी एवं फार्माकोकाईनेटिक्स के बीच का अंतर समझाया। उन्होंने कहा कि मानव शरीर में रक्त की मात्रा सिर्फ पांच लीटर होती है, लेकिन वीडी औसतन 42 लीटर तक हो सकता है। यह तथ्य ड्रग थेरेपी में उपयोग होता है और इसी आधार पर ड्रग का सूत्रीकरण होता है। इस अवसर पर डीन प्रो. एके सिंह, निदेशक इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी सहित ऐकेटीयू, सीडीआरआई, महर्षि यूनिवर्सिटी के परास्नातक छात्र, पीएचडी शोधार्थी और बी फार्मा के छात्र मौजूद रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में चार हजार छात्र करेंगे योगाभ्यास

तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। एलयू में आगामी 21 जून को चार हजार छात्र योगाभ्यास करेंगे। इसमें तीन हजार विद्यार्थी पुराने और एक हजार नवीन परिसर में योग करते हुए नजर आएंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीते 28 मई से रोजाना योगाभ्यास हो रहा है। कई कार्यशालाएं भी आयोजित की गई हैं। वहीं छात्रों का गोमती नदी नौकाओं पर योगाभ्यास भी चर्चा का केंद्र बना रहा। यह सभी फैकल्टी ऑफ योग एंड ऑल्टरनेटिव मेडिसिन और यूजीसी के इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर ऑफ योगिक साइंस के तत्वाधान में आयोजित किए जा रहे हैं।

इसके मद्देनजर मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए म्यूजिकल योग सत्र का आयोजन होगा। 14 को गर्भवती महिलाओं, 15 को वृद्धों के लिए जेरिएट्रिक योग सत्र होगा। 18 को पानी में योग का रोमांचकारी अभ्यास किया जाएगा।

इसके अलावा एलयू से सम्बद्ध रायबरेली, लखीमपुर, लखनऊ, हरदोई और सीतापुर के महाविद्यालयों में एक लाख से अधिक छात्र समयानुसार योगाभ्यास करेंगे।

ओम से दमा को फायदा

दमा में गोमुखासन, भुजंगासन, वक्रासन व प्राणायाम में उद्गीथ, उज्जाई और ओम का उच्चारण लाभदायक है। यह बातें एलयू के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने कहीं। वह सोमवार को योग एवं दमा पर सेमिनार को संबोधित कर रहे थे।

एकेटीयू में योग

एकेटीयू में योग दिवस के मद्देनजर एक सप्ताह तक प्रातः योगाभ्यास होगा। पं. अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने कहा कि योग से स्वस्थ तन-मन पाया जा सकता है।

एलयू के 48 छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के 48 छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। सभी विद्यार्थियों का चयन धूत ट्रांसमिशन प्रा. लि. में हुआ है। औसत पैकेज ढाई लाख प्रतिवर्ष है। अभियांत्रिकीय संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में बीटेक इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्यूनिकेशन, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल व सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों चयनित किया गया है।

एलयूः सभी ऑफिस अब होंगे पेपरलेस

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अब सही मायनों में डिजिटल युग में प्रवेश कर रहा है। विवि में 10 वर्षों में सभी प्रशासनिक और वित्तीय कार्य व प्रक्रियाएं ऑटोमेटेड होंगी। ऑफिस भी ऑटोमेटेड व पेपरलेस होंगे। लाइब्रेरी व विद्यार्थियों की जानकारी का ऑटोमेशन व डिजिटाइजेशन किया जाएगा। वर्ष 2030 तक इंडस्ट्री से 50 करोड़ का फंड जुटाने के लिए 100 एमओयू करने की योजना है।

कमांडर ने जीवन में एनसीसी की उपयोगिता बताई

लखनऊ। एलयू में सोमवार को 64 यूपी बटालियन द्वारा एडम निरीक्षण का आयोजन किया गया। यहां मुख्य अतिथि लखनऊ ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर नीरज पुनेठा रहे। उन्होंने सभी कैडेट को एनसीसी की उपयोगिता, करियर विकास, सेना अफसर भर्ती और पूरे जीवन में एनसीसी की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। समूह कमांडर को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया।

i-NEXT PAGE 6

एलयू का प्रशासनिक सुधारों पर विजन प्लान

डिसेंट्रालाइज होंगे प्रशासनिक व वित्तीय अधिकार

LUCKNOW (12 June, inext): एलयू ने प्रशासनिक सुधारों के लिए विजन प्लान तैयार किया है. यह विजन प्लान 10 साल के लिए तैयार हुआ है, जिसमें तीन तीन साल के फेज में सुधारों को लागू किया जाएगा. पहले फेज में विवि छात्र संबंधी प्रशासनिक व्यवस्थाओं के लिए एक एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग प्रणाली को डिवेलप करेगा. इससे स्टूडेंट्स को एंट्री से एग्जिट तक बेहतर अनुभव मिलेगा.

डिसेंट्रालाइज किए जाएंगे वित्तीय अधिकार

विजन प्लान के तहत एलयू वित्तीय व प्रशासनिक अधिकारों को डिसेंट्रलाइज करने की भी कवायद करेगा. जिससे विभागों को अपने स्तर पर निर्णय लेने की सुविधा मिलेगी. विवि की स्टूडेंट इनफार्मेशन मैनेजमेंट का ऑटोमेशन करने, ऑनलाइन शिक्षा के लिए मौजूदा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस), स्लेट को अपग्रेड करने और पुस्तकालय सेवाओं को ऑटोमेट करने और डिजिटाइज करने की योजना है. एलयू के विजन प्लान के दूसरे फेज में विवि विभागों के शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारियों से संबंधित प्रशासनिक कार्यों को ईआरएपी में शामिल करेगा.

> हम प्रशासनिक प्रक्रियाओं को परिवर्तित करने के लिए समर्पित हैं. विजन प्लान के क्रियान्वयन के जरिए हम उत्कृष्टता, पारदर्शिता और नवाचार को बढ़ावा देने वाला एक वातावरण बनाएंगे.
> प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, एलयू

> हमारा लक्ष्य एक प्रशासनिक ढांचा बनाना है, जो हमारे शिक्षक, कर्मचारी और छात्रों को उनके प्रयासों में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सशक्त बनाए.
> प्रो. पूनम टंडन, अकादमिक डीन, एलयू

JAGRAN CITY PAGE III

एक ही पोर्टल पर होगा लवि शिक्षकों-विद्यार्थियों का ब्योरा

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों से लेकर कर्मचारियों का सारा विवरण अब एक ही पोर्टल पर उपलब्ध होगा। विद्यार्थियों के प्रवेश लेने से लेकर उनकी डिग्री, रिजल्ट, एग्जाम डेटशीट, प्लेसमेंट व एल्युमिनाई बनने तक सभी जानकारी इसमें मिलेगी। शिक्षकों की भी नियुक्ति, सेवानिवृत्ति, अवकाश लेने सहित सभी विवरण भी दर्ज होगा। इस सुविधा के लिए एक इंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग सिस्टम (ईआरपी) तैयार किया जाएगा। लवि ने अपने प्रशासनिक सुधारों के लिए बनाए गए विजन प्लान में कार्य योजना बनाई है।

इंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग सिस्टम से मिलेंगी सभी सुविधाएं, प्रवेश, रिजल्ट, डिग्री लेने, पीएचडी जमा सहित सभी काम हो सकेंगे

> प्रशासनिक प्रक्रियाओं को बदलने के लिए काम किया जा रहा है। इंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग सिस्टम बनाने से व्यवस्था और पारदर्शी होगी। काम भी तीव्र गति और सुविधाजनक तरीके से होंगे।
> प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लवि

डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि लवि की प्रशासनिक व्यवस्थाओं के लिए ईआरपी सिस्टम तैयार किया जाएगा ताकि विद्यार्थियों, शिक्षकों से लेकर सभी का डेटा एक पोर्टल पर रहे। तीन साल में छात्र संबंधी प्रशासनिक व्यवस्थाओं को ईआरपी पर लाया जाएगा। तीन से सात साल के बीच विभागों के शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारियों से संबंधित प्रशासनिक कार्यों को इससे जोड़ा जाएगा।

लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम होगा मजबूत, ले सकेंगे स्वतः निर्णय

विजन प्लान के तहत प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार डिसेंट्रलाइज (विकेंद्रीकृत) किए जाएंगे, जिससे विभागों को अपने स्तर पर निर्णय लेने की सुविधा मिलेगी। विश्वविद्यालय की स्टूडेंट इनफार्मेशन मैनेजमेंट का आटोमेशन करने, आनलाइन शिक्षा के लिए मौजूदा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) को भी अपग्रेड करने और पुस्तकालय सेवाओं को आटोमेशन करने की योजना है।

पेपर लेस विश्वविद्यालय बनाने की योजना

उन्होंने बताया कि 75 प्रतिशत तक कागज के उपयोग में कमी करने वाले एक पेपरलेस कार्यालय सिस्टम को विकसित किया जाएगा। विश्वविद्यालय हर वर्ष 25 नए पुरातन छात्र-छात्राओं से संपर्क स्थापित करेगा, जिससे सहयोग और समर्थन की एक मजबूत भावना का विकास होगा। वहीं, सात से 10 वर्ष के प्लान में विश्वविद्यालय को पूरी तरह से पेपरलेस बनाने की योजना है।

फार्मास्यूटिकल साइंसेज में व्याख्यान

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में सोमवार को एमिनेंट लेक्चर सीरीज क्रम में नवें लेक्चर का आयोजन किया गया। इसमें आइआइटी बीएचयू के फार्मास्यूटिकल इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलाजी विभाग के प्रोफेसर ब्रह्मेश्वर बतौर वक्ता उपस्थित रहे। उन्होंने शरीर में दवा की उपलब्धता और फार्माकोकाईनेटिक्स पर चर्चा कर समझाया कि मानव शरीर में खून की मात्रा सिर्फ पांच लीटर होती है, लेकिन वैल्यू वितरण (वीडी) औसतन 42 लीटर तक हो सकता है। यह तथ्य ड्रग थेरेपी में उपयोग होता है। इस अवसर पर डीन इंजीनियरिंग प्रो. एके सिंह, संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे।

एक लाख से ज्यादा विद्यार्थी करेंगे योग

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय 21 जून को भव्य तरीके से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाएगा। इसके लिए पूरे सप्ताह के कार्यक्रम की योजना बनाई है। मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए विशेष योग सत्र आयोजित किया जाएगा। इसमें म्यूजिकल योग भी शामिल है। 14 जून को गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योग सत्र होगा। 15 जून को वृद्धों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जेरिएट्रिक योग सत्र का आयोजन होगा। इसके अलावा 18 जून को पानी में योग का अभ्यास करने के लिए योग सत्र होगा।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्सव का समापन 21 जून को होगा। इसमें तीन हजार विद्यार्थी मुख्य परिसर व एक हजार विद्यार्थी द्वितीय परिसर में भाग लेंगे।

AMRIT VICHAR PAGE 4

पेपरलेस होगा लखनऊ विश्वविद्यालय, 10 वर्ष की कार्ययोजना तैयार

50 करोड़ का फंड जुटाने और 100 एमओयू साइन किए जाने की है योजना, विश्वविद्यालय के विभागीय कार्यों में आएगी तेजी

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के सभी विभाग अब पेपरलेस हो जायेंगे। विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 10 वर्ष का विजन प्लान तैयार हो चुका है। जिसके तहत सभी प्रशासनिक और वित्तीय कार्य व प्रक्रियाएं ऑटोमेटेड होंगी। ऑफिस भी ऑटोमेटेड व पेपरलेस होंगे लाइब्रेरी व विद्यार्थियों की जानकारी का ऑटोमेशन व डिजिटाइजेशन किया जाएगा। साथ ही वर्ष 2030 तक इंडस्ट्री से 50 करोड़ का फंड जुटाने के लिए 100 एमओयू करने की योजना है। एलयू ने इन बिंदुओं को प्रशासनिक सुधारों के लिए बनाए गए 10 वर्षीय विजन प्लान में शामिल किया है। इसमें मुख्य रूप से छात्रों से संबंधित प्रशासनिक व्यवस्थाओं के लिए एक एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) प्रणाली लागू होगी। इससे छात्रों को एडमिशन से एग्जिट तक सुलभता होगी।

ऑनलाइन शिक्षा के लिए मौजूदा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) व स्लेट को अपग्रेड और प्रशासनिक व वित्तीय अधिकार डिसेंट्रलाइज करने का भी प्लान है। इससे सभी विभाग अपने स्तर पर फैसले ले सकेंगे।

> हमने पहले भी कहा है कि नैक से ए डबल प्लस की ग्रेडिंग हासिल करना तो ठीक है लेकिन इस ग्रेडिंग से भी ऊपर निकलने का प्रयास होना चाहिए उसी को ध्यान में रखते हम प्रशासनिक प्रक्रियाओं को परिवर्तित करने के लिए भी समर्पित हैं ताकि हम कार्यक्षमता और गुणवत्ता के सर्वोच्च मानकों को सुनिश्चित कर सकें। विजन प्लान के क्रियान्वयन के माध्यम से, हम उत्कृष्टता, पारदर्शिता और नवाचार को बढ़ावा देने वाला एक वातावरण बनाएंगे।
> -प्रोफेसर आलोक राय, कुलपति

विजन के मध्यम अवधि में दिखेंगे बदलाव- मध्यम अवधि (3-7 वर्ष) के लिए, विश्वविद्यालय का लक्ष्य विभागों के शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारियों से संबंधित प्रशासनिक कार्यों को इंटरप्राइस रिसोर्स प्लानिंग (ईआरएपी) में शामिल करना है, अर्थात नियुक्ति से सेवानिवृत्ति तक। डिजिटल युग को अपनाते हुए, विश्वविद्यालय का लक्ष्य 75% तक कागज के उपयोग में कमी करने वाले एक पेपरलेस कार्यालय परिवेश की ओर बढ़ना है। वहीं हर वर्ष 25 नए पुरातन छात्रों से संपर्क स्थापित करने की योजना है, जिससे सहयोग और समर्थन की एक मजबूत भावना का विकास होगा।

तीन वर्षों में दिखेंगे ये बदलाव

विजन प्लान में अल्प अवधि (0-3 वर्ष) में विश्वविद्यालय का लक्ष्य छात्र संबंधी प्रशासनिक व्यवस्थाओं के लिए एक एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग प्रणाली को शामिल करना है। इससे छात्रों को प्रवेश से निकास तक सुगम और कुशल अनुभव प्राप्त होना सुनिश्चित होगा। इसके अलावा, प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार डिसेंट्रलाइज किए जाएंगे, जिससे विभागों को अपने स्तर पर निर्णय लेने की सुविधा मिलेगी। विश्वविद्यालय की स्टूडेंट इनफार्मेशन मैनेजमेंट का ऑटोमेशन करने, ऑनलाइन शिक्षा के लिए मौजूदा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस), स्लेट को अपग्रेड करने और पुस्तकालय सेवाओं को ऑटोमेट करने और डिजिटाइज करने की योजना है।

देश की बड़ी कंपनी में लविवि छात्र चयनित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकीय संकाय के प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 48 छात्र-छात्राओं का इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट मैन्युफैक्चर्स कंपनी धूत ट्रांसमिशन प्रा. लि. में प्लेसमेंट हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं संकाय के डीन प्रो. ए. के. सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई दी है। इस दौरान कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से मिली शिक्षा व प्रशिक्षण की गुणवत्ता और छात्रों की मेहनत व अकादमिक उत्कृष्टता इन प्लेसमेंट परिणामों में परिलक्षित हो रही है। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि धूत ट्रांसमिशन प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी में बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग) के 11 छात्र-छात्राओं, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 18 छात्र-छात्राओं), मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 18 छात्र-छात्राओं और सिविल इंजीनियरिंग के 01 छात्र आकाश सिंह का प्लेसमेंट ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर 2.5 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ।

एलयू में आज से आयोजित होंगे योग दिवस से जुड़े कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में इस बार योग दिवस माननीय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश एवं मार्गदर्शन और कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के नेतृत्व में मनाया जाएगा। विश्वविद्यालय के योग और वैकल्पिक चिकित्सा विभाग ने पहले ही से विभिन्न उत्साहवर्धक कार्यक्रम आयोजित किए हैं जो अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के भाग हैं। इन कार्यक्रमों शुरुआत 28 मई से हुई थी। अब 13 जून को, अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए विशेष योग सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसके बाद म्यूजिकल योग का आनंद लिया जाएगा। 14 जून को, गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योग सत्र होगा, जबकि 15 जून को वृद्धों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जेरिएट्रिक योग सत्र का आयोजन होगा। इसके अलावा, 18 जून को पानी में योग का अभ्यास करने के लिए एक रोमांचकारी योग सत्र का आयोजन किया गया है।

VoL PAGE 6

लविवि में उत्साह के साथ मनाया जायेगा योग दिवस

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इस बार योग दिवस उत्साह से मनाये जाने की तैयारी चल रही है। इसमें विश्वविद्यालय के योग और वैकल्पिक चिकित्सा विभाग ने पहले ही से विभिन्न प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किये हैं जो अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के भाग हैं। इन कार्यक्रमों की शुरुआत 28 मई को किया गया जिसमे छात्रों की सक्रिय भागीदारी थी। इन कार्यक्रमों में भारत सरकार के सामान्य योग प्रोटोकॉल की दैनिक अभ्यास, प्रेरणादायक सेमिनार, ज्ञानवर्धक कार्यशाला और उत्साहदायी प्रतियोगिताएं शामिल थीं।

इन कार्यक्रमों का उद्घाटन 28 मई को लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। इसमें योग द्वारा संयुक्त रोगों का प्रबंधन, योग और दमा, योग और जीवनशैली, प्राणायाम, योग द्वारा मधुमेह का प्रबंधन जैसे विषयों पर सेमिनार आयोजित किए गए जो योग के बारे में महत्पूर्ण जानकारी देते हैं। इसके अलावा, शतकर्म, योगासन, बंध आदि पर कार्यशालाएं आयोजित की गयीं ताकि योग के विषय में व्यवहारिक ज्ञान और अनुभव दिया जा सकें। आगामी दिनों के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने विविध कार्यक्रमों की योजना भी बनायी है। 13 जून को, अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए विशेष योग सत्र आयोजित किये जायेंगे, जिसके बाद म्यूजिकल योग का आनंद लिया जाएगा। 14 जून को गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योग सत्र होगा, जबकि 15 जून को वृद्धों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जेरिएट्रिक योग सत्र का आयोजन होगा। इसके अलावा, 18 जून को पानी में योग का अभ्यास करने के लिए एक रोमांचकारी योग सत्र का आयोजन किया गया है। योग दिवस के इस उत्सव का समापन 21 जून को होगा, जहां लगभग तीन हजार छात्र मुख्य परिसर में और एक हजार छात्र द्वितीय परिसर में भाग लेंगे। इसके अलावा लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े महाविद्यालयों में रायबरेली, लखीमपुर, लखनऊ, हरदोई और सीतापुर जिलों में एक लाख से अधिक छात्र समयानुसार योग का अभ्यास करेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय योग के माध्यम से छात्रों और समाज के सम्पूर्ण कल्याण को करने में प्रयत्नशील है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का यह उत्सव एक ऐसा मंच है जो योग के असंख्य लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने और सामान्य व्यक्तियों को भी इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों पर विभिन्न पाठ्यक्रम का अध्ययन किया जाता है। उसी क्रम में योग और वैकल्पिक चिकित्सा के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य की महत्ता पर भी लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्ययन और अध्यापन का कार्य किया जाता है।

छात्रों को को-बायोवैलीबिलिटी की दी गयी जानकारी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज ने एमिनेंट लेक्चर सीरीज क्रम में नवां लेक्चर प्रोफेसर ब्रह्मेश्वर मिश्रा, प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी का आयोजित कराया। एमिनेंट स्पीकर प्रो. ब्रह्मेश्वर मिश्रा ने को-बायोवैलीबिलिटी एवं फामाकोकाईनेटिक्स पर जानकारी दी तथा विभिन्न पहलुओं की महत्वता तथा उसके उपयोग पर व्याख्यान दिया। उन्होंने समझाया कि यदपि मानव शरीर में रक्त की मात्रा सिर्फ पांच लीटर होती है परन्तु वीडी औसतन 42 लीटर तक हो सकता है। यह तथ्य ड्रग थेरेपी में उपयोग होता है और इसी आधार पर ड्रग का सूत्रीकरण होता है। इसी प्रकार दर्द राहत में उपयोगी डिक्लोफिनॉक की खुराक 50 एमजी है लेकिन उपयोगी मात्रा खुराक की सिर्फ एक प्रतिशत हिस्सा है।

इस अवसर पर फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. एके सिंह ने एमिनेंट स्पीकर का स्वागत किया। निदेशक इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने प्रो. एके सिंह का स्वागत किया। इस व्याख्यान के माध्यम से प्रो. बी मिश्रा ने बायोफार्मासुटिक्स के अन्य मूलभूत नियमों पर भी विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर एकेटीयू, सीडीआरआई, महर्षि यूनिवर्सिटी के परास्नातक के छात्र, पीएचडी स्कॉलर्स, फैकल्टी तथा इंस्टिट्यूट की फैकल्टी एवं बीफार्म छात्र उपस्थित रहे। इंस्टिट्यूट के निदेशक प्रो. त्रिपाठी ने स्पीकर का सम्मान किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

लविवि के 48 विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकीय संकाय के प्लेसमेंट सेल के तत्वाधान में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 48 छात्र-छात्राओं का इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट मैनुफैक्चर्स कंपनी धूत ट्रांसमिशन प्रा. लि. में प्लेसमेंट हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रों के प्लेसमेंट पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त शिक्षा एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता और छात्रों की मेहनत एवं अकादमिक उत्कृष्टता इन प्लेसमेंट परिणामों में परिलक्षित हो रही है। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि धूत ट्रांसमिशन प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी में बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग) के 11 छात्र-छात्राओं सौम्या, ऋतिक अग्रवाल, कोमल, संदीप कुमार, अनिकेत सोनकर, गरिमा सिंह, अभिजीत त्रिपाठी, निशा यादव, राज जायसवाल, प्रत्यक्षा बाजपेयी एवं वैभव प्रताप सिंह, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 18 छात्र-छात्राओं में स्नेहलता यादव, सोनाली शर्मा, शुभम कुमार पांडेय, हर्षवर्धन त्रिपाठी, शंकर कुमार, शुभम चौरसिया, आशुतोष कुमार सिंह, अवंतिका पटेल, सुधांशु यादव, अभिषेक, नेहा राव, अभिषेक शर्मा, शिवम कुमार, अभिषेक स्वरूप गुप्ता, जेबा सुल्ताना, रितेश चौहान, शशि तिवारी और अखिलेश मौर्या, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 18 छात्र-छात्राओं में राम जी, नैतिक मिश्रा, अंतिमा, अमृतांशु, मनीष कुमार, पुष्पेंद्र कुमार, अभिषेक कुमार पांडेय, आदर्श कुमार, अभिषेक चौरसिया, केशव द्विवेदी, विनीता राव, निधि सिंह, चंदन त्रिपाठी, हर्षित कुमार पांडेय, मुकेश चौरसिया, प्रेम लता धनगर, सत्यम शर्मा और नितिन वर्मा और सिविल इंजीनियरिंग के एक छात्र आकाश सिंह का प्लेसमेंट ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर 2.5 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ।

TOI PAGE 3

NOTES FROM THE LUCKNOW UNIVERSITY CAMPUS

1,200 students from 60 nations seek admission at LU this year

Times News Network

Lucknow: Lucknow University has received highest ever applications from foreign students for admission to its undergraduate and postgraduate courses for the academic session 2023-2024.

Around 1,200 foreign students from 60 countries around the globe have applied for admission at LU. These students will be admitted through Indian Council for Cultural Relations (ICCR) student scholarship programme.

While students from Japan want to study political science, Chinese students want to learn Hindi. Similarly, students from Malaysia have shown interest in Urdu while those from other countries want to pursue management studies.

Unlike previous, this year LU will have richer student diversity as foreign students not just from African and Asian countries but from all parts of the world have shown interest to study here.

In 2021, only 371 foreign students had applied for admission which further witnessed a whooping increase in 2022 when LU became a choice of around 800 students while this year for the first time, University crossed the 1000 mark.

An LU official said that the increase in the number of applications from foreign students will help LU score extra in all national and international level rankings in which extra marks are awarded to an institute for having a rich student diversity.

Also, the university will score well in public perception criteria as a good image amongst academic institutions is what has made LU a choice of foreign students.

Also, over Rs 1 crore fees is received from these students which helps LU in managing its financial challenges.

"The main reason behind the surge in foreign student application is the University's research work getting international recognition with a number of our teachers getting patents, producing high impact factor research papers, prestigious fellowships and international projects. Also, an A++ grade by the National Assessment Accreditation Council has put a stamp on University's academic excellence," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

TAKERS ACROSS GLOBE

Harvard scholar to join LU for research on 'Nadwa'

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

Lucknow: Joh F Nowak, a research scholar from Harvard University, US, will join Lucknow University's history department as a research scholar.

He will conduct research on 'Nadwat al-Ulama and Muslim identity in the late 19th century' for a period of six months.

The scholar will carry out research at Darul Uloom Nadwatul Ulama, Lucknow with the support of LU.

Purnima Mehta, director general, American Institute of Indian Studies (AIIS), in a letter to Lucknow University's Office of International Affairs, has requested LU to affiliate Nowak with it and designate a faculty member as Joh's academic supervisor.

"Nowak's research proposal focuses on how different north Indian Muslim communities in the late 19th and early 20th century navigated disagreements amongst themselves over who should be included in the category Muslim.

"I tentatively plan to focus my archival work on polemical debates between the Barelwis and the Nadwa," said Nowak in his submitted proposal for research.

Meanwhile, Lucknow University officials said, "We have received the request and it will be approved by the vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai shortly."

LOKSATYA PAGE 3

विजन प्लान से मिलेगी एलयू के प्रशासनिक कामों को रफ्तार

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने प्रशासनिक सुधारों के लिए विजन प्लान बनाया है। यह विजन प्लान प्रशासनिक प्रक्रियाओं के गतिशील और गुणवत्तापूर्ण परिवर्तन के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। विजन प्लान में अल्प अवधि (0-3 वर्ष) में विश्वविद्यालय का लक्ष्य छात्र संबंधी प्रशासनिक व्यवस्थाओं के लिए एक एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग प्रणाली को शामिल करना है। इससे स्टूडेंट्स को प्रवेश से निकास तक सुगम और कुशल अनुभव प्राप्त होना सुनिश्चित होगा।

प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार डिसेंट्रलाइज किए जाएंगे, जिससे विभागों को अपने स्तर पर निर्णय लेने की सुविधा मिलेगी। स्टूडेंट इनफार्मेशन मैनेजमेंट का ऑटोमेशन करने, ऑनलाइन शिक्षा के लिए मौजूदा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस), स्लेट को अपग्रेड करने और पुस्तकालय सेवाओं को ऑटोमेट करने और डिजिटाइज करने की योजना है। मध्यम अवधि (3-7 वर्ष) के लिए, विश्वविद्यालय का लक्ष्य विभागों के शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारियों से संबंधित प्रशासनिक कार्यों को ईआरएपी (इंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग में शामिल करना है। नियुक्ति से सेवानिवृत्ति तक। डिजिटल युग को अपनाते हुए, विश्वविद्यालय का लक्ष्य 75% तक कागज के उपयोग में कमी करने वाले एक पेपरलेस कार्यालय परिवेश की ओर बढ़ना है। प्रशासनिक और वित्तीय कार्यालयों को ऑटोमेट किया जाएगा ताकि कार्यों को तीव्र गति से सुचारू रूप से करने में मदद मिले। इसके अलावा, विवि पुरातन छात्र नेटवर्क से संसाधन उत्पन्न करने के लिए हर वर्ष 25 नए पुरातन छात्रों से संपर्क स्थापित करने की योजना है। विजन योजना की लंबी अवधि (7-10 वर्ष) में, विजन प्लान की यह योजना पूर्णतः पेपरलेस और ऑटोमेटेड कार्यालय परिवेश की अवधारणा करती है।।